जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 85
दिनांक–22.09.2026

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) का सक्षम एवं संयम से उपयोग करना समय की अति आवश्यकता –कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा

कम्युनिकेशन स्किल एंड उसे ऑफ डिजिटल मीडिया पर टेक्नोलॉजी डिसेमिनेशन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

25 से अधिक जिलों के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

जबलपुर 22 सितम्बर, 2026। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं आनंद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी गुजरात के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक विस्तार सेवाएं के दर्पण सभागार में कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर.शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर आनंद गुजरात से आए कोर्स डायरेक्टर डॉ के. डी. गुलकारी एवं डॉ. आर. एन. चौधरी एसोसिएट कोर्स डायरेक्टर आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ए आई का कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों तक तकनीकी ज्ञान और विज्ञान को पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके साथ ही ए आई के व्यापक उपयोग में इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका सक्षम एवं संयम के साथ उपयोग किया जा सके। ताकि नई तकनीक सही सटीक और सरल रूप में किसानो तक पहुंच सके। आपने महत्वपूर्ण सुझाव के साथ एआई का जिम्मेदारी से उपयोग करने की बात कही।

कार्यक्रम में संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी. आर. शर्मा ने कहा कि ए आई का उपयोग कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक किसानों के क्षेत्र विशेष, फसल विशेष एवं समसामयिक समस्याओं पर सही तरीके से बेहतर उपयोग कर सटीक जानकारी प्रदान कर सकते है। जैसे दवाई की उत्तम एवं सही मात्रा, पोषक तत्वों का सही उपयोग सही समय पर एवं प्राकृतिक एवं जैविक खेती में ए आई का व्यापक उपयोग सहज सरलता से कैसे करें जैसी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आपने प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के प्रारंभ में गुजरात आनंद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से आए कोर्स डायरेक्टर डॉ. के. डी. गुलकारी ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और किन–किन विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, इसकी विस्तार से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र सिवनी डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं आभार प्रदर्शन संचनालय विस्तार सेवाएं के वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में संचनालय विस्तार सेवाएं के डॉ. सिद्धार्थ नायक, प्रिया चौकसे, दीप्ति दुबे सहित वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।